क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 186, सोमवार, 30 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

यूपी एसटीएफ ने सॉल्वर गिरोह के सरगना व सदस्यों को किया गिरफ्तार

इलाहाबाद। यूपी एसटीएफ की टीम ने एलटी ग्रेड सहायक अध्यापक की परीक्षा में सॉल्वर बैठाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर उन्हें गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र आउट कराने के बाद साल्वर बैठाकर प्रश्न पत्र हल कराते थे और अभ्यर्थियों से मोटी रकम वसूलते थे। कर्नलगंज थाना के क्षेत्राधिकारी आलोक मिश्र ने बताया कि गिरोह के मुख्य सरगना ओम सहाय, विनीत कुमार और जितेंद्र कुमार के साथ ही साल्वर चिंटू कुमार, भोला कुमार, संजू कुमारी, कन्हई पंडित, पिंटू कुमार, सौरभ को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अभ्यर्थी सुरेश भारतीय, अशोक कुमार और अशोक यादव को भी गिरफ्तार किया है। इनके पास से 13 मोबाइल, दर्जनों प्रवेश पत्र, छह पैन कार्ड, दो एटीएम कार्ड, छेड़छाड़ किए गए एक दर्जन आधार कार्ड और लगभग 15 हजार रुपये नकदी बरामद की गई है। कर्नलगंज थाने पर इन अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

ये 'ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी' नहीं 'रिकॉर्ड ब्रेकिंग सेरेमनी' है: पीएम मोदी

लखनऊ (एजेंसी) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के उद्योगों की नींव रखीं। इन परियोजनाओं से तकरीबन दो लाख युवाओं को रोजगार देने के अवसर पैदा होंगे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, ये 'ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी' नहीं 'रिकॉर्ड ब्रेकिंग सेरेमनी' है। एक समय था जब यूपी में निवेश को लोग चुनौती मानते थे लेकिन अब इसे अवसर मानते है। आज का आयोजन यूपी के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। यहां पहले की सरकार की उद्योगपतियों के साथ एक फोटो नहीं होगी क्योंकि सब कुछ पर्दे के पीछे होता था, घर पर जाकर उद्योगपति साष्टांग प्रणाम करते थे। यहां अमर सिंह बैठे है उनको पूरी जानकारी है इसकी, जब नीयत साफ हो तो किसी के साथ खड़े होने में कोई परेशानी नही होनी चाहिए। पीएम मोदी आगे कहा कि भगवान शिव का मास सावन शुरू हो चुका है। अब से लेकर दीवाली तक त्यौहार का माहौल होता है। आप सभी को अभी से इन त्योहारों को बधाई देता हूं, एक संवेदनशील सरकार होने के नाते आमजन को संकट से निकालना और उसके जीवन को सुगम बनाना हमारा ध्येय है। आज मुझे खुशी है कि हम सब यूपी के कोने-कोने को बदलने के लिए यहां इकठ्ठा हुए है। 60 हजार करोड़ की निवेश परियोजनाओं की शुरुआत करना एक बड़ा कदम है। यूपी के लिए महज 5 महीने में इसे मूर्तरूप देने के लिए सीएम योगी और उनकी टीम बधाई का पात्र है क्योंकि ऐसा करने के लिए बहुत संकट और बाधाएं सामने आती है। आप इसे पार करके यहां तक पहुंचे है ये बड़ी बात है क्योंकि सरकारी तंत्र में कदम-कदम पर परेशानियां आती है। किसान से जमीन लेने के लिए कई बार पटवारी भी आड़े आ जाता है क्योंकि इस देश को या तो प्रधानमंत्री चला पाता है या पटवारी चला पाता है।

फाइनेंसर पर फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

एक पिस्टल व दो कारतूस बरामद

मई महीने में फाइनेंसर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उसकी हत्या का प्रयास करने के आरोप में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उत्तम नगर के मोहन गार्डन निवासी कुख्यात बदमाश मगन शर्मा (27) को गिरफ्तार कर उससे एक पिस्टल व दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गत मई महीने में आरोपी मगन शर्मा ने उत्तम नगर इलाके में एक फाइनेंसर के ऑफिस में घुसकर फायरिंग कर उसकी हत्या की कोशिश की थी। गनीमत रही कि पीड़ित बच गया। बात में उसने इस संदर्भ में केस दर्ज कराया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम प्रशांत विहार क्राइम ब्रांच को पता चला कि हत्या की कोशिश का आरोपी मगन शर्मा अवैध हथियार के साथ शकूरपुर इलाके में एम-ब्लॉक के पास शमशान घाट के नजदीक किसी साथी से मिलने आने वाला है। सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने उक्त स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की और शाम लगभग साढ़े छह बजे पंजाबी बाग की तरफ से बाइक से पहुंचे आरोपी मगन शर्मा को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से पिस्टल व दो कारतूस भी बरामद किए गए।

देखें सदी के सबसे लंबे चंद्रग्रहण की खूबसूरत तस्वीरें!

चंद्रग्रहण के दौरान जर्मनी के ड्रेस्डेन में दिखता चंद्रमा,

जर्मनी के बर्लिन टीवी टॉवर के साथ ली गई चंद्रग्रहण की खूबसूरत तस्वीर,

भारत के बनारस में चंद्रग्रहण के दौरान टाइम लैप्स तकनीक से ली गई फोटो।

भाजपा सरकार में सपा-बसपा से कई गुना अधिक निवेश हुआः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उनकी सरकार में सपा-बसपा सरकार से कई गुना अधिक निवेश मात्र 16 महीने में हुआ है। पांच महीने पहले 6.68 लाख करोड़ का एमओयू हुआ और पांच माह में 60,000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास हो रहा है और 50,000 करोड़ की योजनाएं शिलान्यास होने के लिए पाइप लाइन में हैं।

मुख्यमंत्री रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में औद्योगिक निवेश के ग्राउंड सेरेमनी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकास के लिए नियत साफ होनी चाहिए। इसके पहले बसपा की सरकार में मात्र 5700 करोड़ और सपा सरकार के पांच साल के कार्यक्रम में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। यूपी में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। यूपी के बारे में अब सोच बदलने लगी है।

प्रमुख राज्यों में उत्तर प्रदेश ने भी अपना स्थान बनाया है।

पहले यूपी के बारे में एक चर्चा होती थी कि एक विशेष क्षेत्र में ही काम होता है, लेकिन उनकी सरकार ने यह धारणा भी तोड़ी। साल के अंत तक बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का भी शिलान्यास कराने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि पश्चिमांचल में 51 फीसदी, मध्यांचल व बुंदेलखंड में 20 फीसदी व पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22 प्रतिशत काम हुआ है।

यूपी में निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा बल का गठन किया गया है। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से काम हो रहा है।

खतरे के निशान से ऊपर पहुंची यमुना

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली। लगातार भारी बारिश के चलते यमुना का जल स्तर खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गया है। माना जा रहा है कि अभी जलस्तर में और बढ़ोतरी होगी। मौजूदा स्थिति को देखते हुए अफसरों ने बाढ़ जैसी स्थिति को रोकने को उचित कदम उठाने का परामर्श जारी किया है। हथिनीकुंड बैराज पर यमुना नदी का जलस्तर 90,000 क्यूसेक के खतरे के निशान को पार कर शनिवार सुबह नौ बजे 2.11 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बाढ़ के खतरे की आशंका को देखते हुए आपात बैठक बुलाई है।

केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि हरियाणा ने पांच लाख क्यूसेक पानी छोड़ा है। इसे देखते हुए विचार-विमर्श के लिए आपात बैठक बुलाई गई है। पूर्वी दिल्ली जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दिल्ली रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर शनिवार रात नौ से 11 बजे तक बढ़कर 205.40 मीटर तक पहुंचने की संभावना है। बयान में कहा गया कि राजधानी के पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर शनिवार सुबह सुबह सात बजे तक 204.92 मीटर तक पहुंच गया था, जो खतरे के निशान से ऊपर है। जलस्तर में अभी लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद चेतावनी जारी की गई थी। बयान के मुताबिक सभी कार्यपालक इंजीनियरों एवं क्षेत्र के अफसरों को पानी जारी करने, पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर और केंद्रीय जल आयोग / एमईटी के परामर्श या पूर्वानुमान पर नजर रखने को कहा गया है। अधिकारी लगातार नियंतण्रकक्ष के संपर्क में भी हैं।

मौजूदा हालात को देखते हुए अनुरोध किया गया कि हालात को देखते हुए ही पीछे से पानी छोड़ा जाए। जिससे बाढ़ जैसी स्थिति से बचा जा सके। परामर्श में कहा गया कि केंद्रीय जल आयोग ऊपरी यमुना संभाग नई दिल्ली ने दिल्ली रेलवे पुल (उत्तरी दिल्ली) के लिए बाढ़ का पूर्वानुमान जारी किया है। दिल्ली रेलवे पुल पर पानी का स्तर शनिवार सुबह करीब नौ बजे 205 मीटर था। जबकि चेतावनी का स्तर 204.00 मीटर पर है। इससे साफ है कि जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। अधिकारियों का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश और इसके पड़ोसी राज्यों के ऊपर फिलहाल कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। दिल्ली के बाढ़ नियांण विभाग के अनुसार विभाग ने बताया कि हथिनी कुंड बैराज से छह लाख पांच हजार 949 क्यूसेक से पानी छोड़ा गया है। इस पानी को दिल्ली पहुंचने में 48 से 72 घंटे का समय लगता है। पूरा पानी आ जाने पर जल स्तर में वृद्धि की आशंका बनी हुई है। नदी में बढ़ते जल स्तर को देखते एहतियातन किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क कर दिया है।

नदी क्षेत्र में स्थित कुछ गांवों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में नदी के किनारे बसे न्यू उस्मानपुर, गढ़ी मांडू और सोनिया विहार से लोगों को हटाकर वहीं पास में सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। पानी में वृद्धि को देखते हुए निचले इलाके में रहने वाले लोग स्वयं भी सामान लेकर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं।

यहां 3 महीने के लिए विधवा हो जाती हैं शादीशुदा महिलाएं,

देवरिया। 'विधवा' शब्द की कल्पना ही किसी विवाहिता के मन मस्तिष्क को विचलित करने के लिए काफी है, लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर सहित पड़ोसी राज्य बिहार के कुछ जिलों में गछवाहा समुदाय की महिलाएं पति की सलामती के लिए मई से लेकर जुलाई तक सधवा से विधवा का जीवन बसर कर सदियों पुरानी अनूठी प्रथा का पूरी शिद्दत से पालन करती हैं।

गछवाहा समुदाय के बारे में जानकारी रखने वाले पूर्व सभासद बृजेश पासवान के अनुसार इस समुदाय के पुरूष साल के तीन महीने यानी मई से जुलाई तक ताड़ी उतारने का काम करते हैं और उसी कमाई से वे अपने परिवार का जीवन यापन करते हैं। बताया जाता है कि ताड़ के पेड़ से ताड़ी निकालने का काम काफी जोखिम भरा माना जाता है। पचास फिट से ज्यादा ऊंचाई के सीधे ताड़ के पेड़ से ताड़ी निकालने के दौरान कई बार व्यक्ति की जान भी चली जाती हैं।

ताड़ी उतारने के मौसम में इस समुदाय की महिलायें अपनी पति की सलामती के लिए देवरिया से तीस किलोमीटर तीन माह तक ये औरतें अपने घरों में उदासी का जीवन जीती हैं। दूर गोरखपुर जिले में स्थित तरकुलहां देवी के मंदिर में चैत्र माह में अपनी सुहाग की निशानियां रेहन रख कर अपने पति की सलामती की मन्नत मांगती हैं। इन पासवान ने बताया कि ताड़ी उतारने का समय समाप्त होने के बाद तरकुलहां देवी मंदिर में गछवाहा समुदाय की औरतें नाग पंचमी के दिन इकट्ठा होकर पूजा करने के बाद सामूहिक गौठ का आयोजन करती हैं। जिसमें सधवा के रूप में श्रृंगार कर खाने-पीने का आयोजन कर मंदिर में आशीर्वाद लेकर अपने परिवार में प्रसन्नता पूर्वक जाती हैं। उन्होंने बताया कि गछवाहा समुदाय वास्तव में पासी जाति से होते हैं और सदियों से यह तबका ताड़ी उतारने के काम में लगा है हालांकि अब इस समुदाय में भी शिक्षा का स्तर बढता जा रहा है और इस समुदाय के युवा इस पुश्तैनी धंधे को छोड़कर अन्य व्यवसाय तथा कार्य कर रहे हैं।

दिल्ली, मुंबई व बंगलोर से ही नहीं यूपी से विकास का रास्ता निकलेगा : राजनाथ

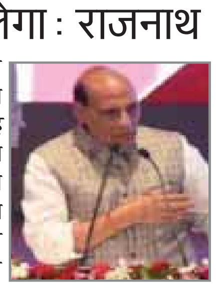

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यूपी असीमित आर्थिक क्षमता वाला प्रदेश है। अब दिल्ली, मुंबई व बंगलोर से ही नहीं यूपी से विकास का रास्ता निकलने लगा है। उद्योगपति यूपी में उद्योग लगाएं। राज्य सरकार सुरक्षा दे रही है और जरूरत पड़ी तो केंद्र सरकार अतिरिक्त सुरक्षा देगी। राजनाथ सिंह ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लखनऊ मेरा संसदीय क्षेत्र है। इसलिए प्रधानमंत्री व यहां आए हुए उद्यमियों का मैं यहां स्वागत करता हूं। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद करिश्माई काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सबसे ज्यादा डेस्टिनेशन बनाया व योगी ने सबसे ज्यादा उद्यमी प्रिय राज्य बनाया। बहुत कम अवसर आता है जब प्रधानमंत्री किसी शहर में दो दिन लगातार आए हो। प्रधानमंत्री ने लखनऊ आने के बाद यूपी के साथ देशभर को सौगात दिया है।

»»» रंजिश के चलते हत्या की आशंका

रन्हौला में गोली मारकर बिल्डर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। रन्हौला इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने एक बिल्डर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त राजेन्द्र गोयल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक स्थानीय विधायक के कार्यालय के पास निर्माणाधीन बैंक्वेट हॉल का जायजा लेते समय बिल्डर को बेहद नजदीक से गोली मारी गई।

घायल अवस्था में व्यवसायी को उपचार के लिए डीडीयू अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन आशंका है कि हमला रंजिश के चलते किया गया। हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बाहरी दिल्ली के रनहोला इलाके में वारदात शनिवार सुबह लगभग सवा नौ बजे उस वक्त हुई जब बिल्डर राजेन्द्र गोयल बैंक्वेट हॉल के निर्माण कार्य का जायजा लेने गया था। मृतक उत्तम नगर के रहने वाले थे। जांच में पाया गया कि रन्हौला के विकास नगर के कनक बैंक्वेट हॉल के सामने हुई इस वारदात के वक्त वह बैंक्वेट हॉल के निर्माण कार्य का जायजा ले रहे थे। उसी दौरान दो बाइक पर आए चार हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। सीने में पांच गोलियां लगने के कारण वह जमीन पर गिर गए।

सूचना पाकर पहुंची पीसीआर पुलिस ने गम्भीर रूप से घायल बिल्डर को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत देख उसे डीडीयू अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन वहां मौजूद डॉक्टरों ने बिल्डर को मृत घोषित कर दिया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि राजेन्द्र गोयल कुछ देर पहले ही अपनी कार पार्क कर मौके पर गए थे। आशंका है कि बदमाश पहले से उनका पीछा कर रहे थे।

पुलिस उपायुक्त सेजू पी कुरुविला ने बताया कि मृतक राजेन्द्र गोयल विकास नगर में कनक बैंक्वेट हाल बनवा रहा था। कार से नीचे उतरते ही पीछे से दो बाइक पर आए चार बदमाशों ने राजेन्द्र गोयल पर अंधाधुंध गोलियां चलाई और फरार हो गए। राजेन्द्र का बैंक्वेट हॉल आम आदमी पार्टी के विधायक महेंद्र यादव के ऑफिस के पास बन रहा था। फिलहाल पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक इस मामले में दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ चल रही है, लेकिन आधिकारिक तौर पर किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की गई है।

क्रांति समय

भरोसा उस पर करो जो तुम्हारी तीन बाते जान सके, हँसी के पीछे का दर्द, गुस्से के पीछे का प्यार और आपके चुप रहने वजह।

''फैड'

धर्म के प्रतीक फैशन और प्रदर्शन और ''राजनीतिक वक्तव्य' बन चुके हैं। हम इस ''फैड' को इसलिए भी ओढ़े रहते हैं क्योंकि हम ''फैड प्रिय' हैं। मीडिया स्वयं ''फैड प्रिय' है। जानते हैं ये सब बकवास है, लेकिन मानते हैं कि यही सच है। यों तो ''अपोलो' नामक अंतरिक्ष यान ने 1969 में चंद्रमा के अंदर बैठी चरखा कातने वाली बुढ़िया की पोल खोल दी थी, लेकिन कल्पना में बनी बुढ़िया इतनी आसानी से कैसे मरने दी जाती? तब के प्रिंट मीडिया ने और आज के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अपोलो की चांद तक की सैर न जाने कितनी बार दिखाई और बताया कि चंद्रमा में जीवन नहीं है, और दिखने वाली छायाएं बड़े-बड़े गड्ढे हैं। फिर भी, चांद और उसके ग्रहण का मिथक, कुछ झटके खाने के बाद भी मिथ बना रहा। उसी समय, अपोलो की इस तैनाती पर काका हाथरसी ने यह मजेदार कुंडली भी लिखी कि: ''नाम अपोलो लेकिन पोल खोल कर धर दी! काकी जी ने करवा चौथ कैंसिल कर दी!!'काकी ने करवा चौथ कैंसिल कर दी हो, लेकिन बाद में बॉलीवुड ने करवा चौथ को जिस तरह का अखिल भारतीय ''उत्सव' बनाया, वह आज तक और अधिक तमगों के साथ चला आता है। जिस मीडिया ने अपोलो के चित्रों के सहारे चंद्रमा की पोल खोली उसी के एक मनोरंजक रूप ने करवा चौथ को नया चलन, नया फैशन बना दिया। जब चंद्रमा की पोल खुली तो असलियत जानकर दुनिया भर के लोगों को कुछ अचरज हुआ तो कुछ आनंद भी हुआ। लेकिन अपने यहां चंद्र ग्रहण के बारे में ''लोक-विास' उसी तरह बने रहे। हर ग्रहण पर आम लोग लगभग वही कर्मकांड करते रहे, जिनकी र्चचा अक्सर की जाती है। हाल ही के सबसे लंबे चंद ग्रहण की हर खबर को चैनल ने लाइव दिखाया। कुछ वैज्ञानिकों और कुछ ज्योतिषियों से चंद्र ग्रहण की चरचाएं भी कराई। एक ओर वैज्ञानिक बताते थे कि जब पृवी चंद्रमा और सूरज के बीच आ जाती है, और उसकी छाया चंद्रमा को ढक लेती है, तो उसे चंद्र ग्रहण कहते हैं ।कुछ ज्योतिषी बताते थे कि चंद्रमा का धरती पर सीधा असर पड़ता है, हर राशि पर असर पड़ता है। जब एक पंडित जी ने दर्शकों को समझाया कि ग्रहण के दौरान यह भोजन नहीं करना चाहिए क्योंकि इस अवधि में भोजन जहरीला हो जाता है, तो एक एंकर ने हंसते हुए कहा कि पंडित जी हम तो खूब खाएंगे-पिएंगे। तीन घंटे पचपन मिनट तक ग्रहण को लाइव दिखाना है। इतनी देर तक कोई भूखे रहेंगे तो दिखाएंगे कैसे? पंडित जी इसे सुन, हंस कर रह गए ।आज अधिकतर लोग चंद्रमा की सच्चाई जानते हैं, लेकिन मानते नहीं। कारण यह कि ''जानने' और ''मानने' में बड़ा फर्क होता है। जानना तर्क पर आधरित होता है जबकि मानना विास पर आधरित होता है। आदमी ''जानता' बहुत कुछ है, ''मानता' उतना ही है जिस पर उसका विास हो। यह भावना का क्षेत्र है। अज्ञात का डर भावात्मक है। इसीलिए विज्ञान अपनी जगह बना रहता है, और विास अपनी जगह। समाज में दोहरापन इसी कारण है। हम इसे पिछड़ापन कह सकते हैं, अंधविास कह सकते हैं, लेकिन लोग उनमें रहते हैं, बहुत अगड़े भी उनमें रहते हैं ।फिर पिछले बीस-तीस बरसों में हमारा समाज धर्म के सबसे पिछड़े, लेकिन तमगा बन चले प्रदर्शनकारी रूपों की ओर अधिक झुका है। जब से ''सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' ने जोर मारा है। तब से हिन्दू धर्म के बहुत से पिछड़े संस्कारों के आलोचकों तक को डराया-धमकाया जाता है। कई तर्कवादियों की हत्याएं हो चुकी हैं। यह वातावरण सिर्फ विज्ञान विरोधी ही नहीं ''ज्ञान मात्रा' भी विरोधी है।

आज आप बड़े-बड़े पढ़े-लिखे लोगों की कलाइयों पर लाल-काले धागे बंधे देख सकते हैं, जो आज से बीस-तीस साल पहले नहीं देखे जाते थे। गांधी की कलाई या नेहरू की कलाई पर किसी ने कोई धागा बंधा देखा ।यही नहीं, हमारा मीडिया धर्म प्रिय है। धार्मिक चैनलों के अलावा दैनिक राशिफल बताए बिना कुछ खबर चैनलों की सुबह नहीं होती। आजकल तो चैनलों के एंकर भी अपने को परंपरागत पहचानों के नजदीक दिखाने की काशिश में हैं। जैसे कि इन दिनों कई महिला एंकरों के माथे पर कभी-कभी बिंदी दिखाई देती है, साड़ी-ब्लाउज भी लौटने लगा है। पुरु ष एंकरों का कुर्ता-जाकेट तो दिखता ही है। एंकरों की कलाइयों में कलावा और अंगूठियां भी दिखाई देती हैं। अपने दिल में सब जानते हैं कि यह सब ''फैड' है, फालतू है, लेकिन फैशन में है, इसलिए है। धर्म के प्रतीक फैशन और प्रदर्शन और ''राजनीतिक वक्तव्य' बन चुके हैं। हम इस ''फैड' को इसलिए भी ओढ़े रहते हैं क्योंकि हम ''फैड प्रिय' हैं। मीडिया स्वयं ''फैड प्रिय' है। जानते हैं ये सब बकवास है, लेकिन मानते हैं कि यही सच है क्योंकि इसमें कुछ मजा है। इसे कहते हैं अपने जोड़े पुराने ''कबाड़' का आनंद!

सत्संग

प्रेम के अभाव में ही संघर्ष पैदा हुआ है

धर्म के नाम पर खूब राजनीति चलती रही है, चलती है, और लगता है आदमी को देखते हुए कि चलती ही रहेगी। धर्म और संघर्ष का कोई संबंध नहीं है। जहां संघर्ष महत्वपूर्ण हो जाता है, वहां धर्म विलीन हो जाता है; वहां राजनीति अड्डा जमा लेती है। सारे झगड़ों के पीछे राजनीति होती है। ऊपर-ऊपर झगड़ों के नाम कुछ भी हों- हिंदू-मुसलमान का झगड़ा हो,कि सिक्ख-निरंकारी का झगड़ा हो, कि ईसाई-यहूदी का झगड़ा हो। ये तो झगड़ों को दिए गए प्यारे-प्यारे आवरण हैं, सुंदर-सुंदर आवरण हैं! जैसे खतरनाक तलवार पर किसी ने मखमल चढ़ा दी है, मखमल की म्यान बना दी है; अक्सर तलवारों की म्यानें मखमल की होती हैं। सोना-चांदी भी जड़ सकते हो, हीरे-जवाहरात भी। तलवारें छिप जाती हैं ऐसे मगर सिर्फ अंधों के सामने छिपती हैं, आंख वालों के सामने नहीं छिपतीं हैं। धर्म के नाम पर खूब राजनीति चलती रही है, चलती है, और लगता है आदमी को देखते हुए कि चलती ही रहेगी। और जब धर्म के नाम पर राजनीति चलती है तो बड़ी सुविधा हो जाती है राजनीति को चलने में; क्योंकि हत्यारे सुंदर मुखौटे लगा लेते हैं। जितना बुरा काम करना हो उतना सुंदर नारा चाहिए, उतना ऊंचा झंडा चाहिए, रंगीन झंडा चाहिए! आड़ में छिपाना होगा न फिर! आदमी जंगली है, अभी तक आदमी नहीं हुआ! इसलिए कोई भी बहाना मिल जाए, उसका जंगलीपन बाहर निकल आता है। ये सब बहाने हैं! आदमी को बदलें! आदमी के बदलने में सबसे बड़ी कठिनाई क्या है? हमने मनुष्य को प्रेम करने की कला नहीं सिखाई, इसलिए हमने मनुष्य को प्रेम की हवा नहीं दी, इसलिए हमने मनुष्य को प्रेम का स्वाद नहीं दिया, इसलिए। जिस व्यक्ति को भी प्रेम का स्वाद मिल जाए, उसके जीवन से घृणा अपने-आप विसर्जित हो जाती है। क्योंकि एक ही ऊर्जा है, जो प्रेम बनती है या घृणा बनती है। अगर प्रेम न बन पाए तो घृणा बनती है। एक ही ऊर्जा है, जो निर्माण बनती है और ध्वंस बनती है। निर्माण न बन पाए तो ध्वंस बनती है। अब तक आदमी हमने जो निर्मित किया है जमीन पर, उसमें सृजनात्मकता के बीज हम नहीं डाल पाए हैं। इसलिए विध्वंस उसका स्वर है। फिर राष्ट्र के नाम पर, धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, वर्ण के नाम पर विध्वंस प्रकट होता है। जहर हो गई है वही शक्ति, जो खिल जाती तो गीत बनती , जो प्रकट होती तो बांसुरी पर बजती, वही तलवार की धार हो गई है!

नौकरी का हकदार

पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आर. भानुमति और जस्टिस ए.एम. खानविलकर की पीठ ने कहा कि एक बार आरक्षित वर्ग में आवेदन कर उसमें छूट और अन्य रियायतें लेने के बाद उम्मीदवार आरक्षित वर्ग में ही नौकरी का हकदार होगा। उसे सामान्य वर्ग में नहीं डाला जा सकता। एक महिला याचिकाकर्ता ने कोर्ट से गुहार लगाई थी कि उसे सामान्य वर्ग में नौकरी दी जाए क्योंकि उसने लिखित परीक्षा में सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। इसके बाद से यह बहस भी चल पड़ी है कि अनुसूचित जातियों में क्रीमी लेयर की अवधारणा लाई जाए, जिससे खासकर दलित समुदायों में यह डर पैदा हो गया है कि कहीं यह आरक्षण खत्म करने की साजिश तो नहीं है। इसी से जुड़ा मामला प्रमोशन में आरक्षण का भी है। अगर हम आरक्षण की मूल अवधारणा को देखें तो एक नया पहलू उभरता है। आरक्षण सकारात्मक भेदभाव की उस अवधारणा से निकला है।

सतीश पेडणोकर

कुछ समय से देश में नये तरह की बेचैनी दिख रही है। एक तरफ उन समुदायों की ओर से आरक्षण की मांग हो रही है, जो पहले इसकी जरूरत महसूस नहीं करते थे। मसलन, महाराष्ट्र में मराठा, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के जाट, आंध्र प्रदेश के कापू, गुजरात में पाटीदार वगैरह। दूसरे, अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण को लेकर पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एक नई हलचल पैदा हुई है। दरअसल, आरक्षण को लेकर इन दोनों बहसों का रिश्ता गहराते कृषि और आर्थिक संकट से ज्यादा लगता है। पहले दूसरी बहस पर गौर करते हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आर. भानुमति और जस्टिस ए.एम. खानविलकर की पीठ ने कहा कि एक बार आरक्षित वर्ग में आवेदन कर उसमें छूट और अन्य रियायतें लेने के बाद उम्मीदवार आरक्षित वर्ग में ही नौकरी का हकदार होगा। उसे सामान्य वर्ग में नहीं डाला जा सकता। एक महिला याचिकाकर्ता ने कोर्ट से गुहार लगाई थी कि उसे सामान्य वर्ग में नौकरी दी जाए क्योंकि उसने लिखित परीक्षा में सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। इसके बाद से यह बहस भी चल पड़ी है कि अनुसूचित जातियों में क्रीमी लेयर की अवधारणा लाई जाए, जिससे खासकर दलित समुदायों में यह डर पैदा हो गया है कि कहीं यह आरक्षण खत्म करने की साजिश तो नहीं है। इसी से जुड़ा मामला प्रमोशन में आरक्षण का भी है। अगर हम आरक्षण की मूल अवधारणा को देखें तो एक नया पहलू उभरता है।

आरक्षण सकारात्मक भेदभाव की उस अवधारणा से निकला है, जिसके तहत सामुदायिक स्तर पर वंचित समूहों को बराबरी के मौके मुहैया कराए जा सकें। ऐसे में अगर कोई बराबरी की विलक्षणता साबित कर देता है, तो उसे स्वत: सामान्य कोटे में जगह मिल जानी चाहिए। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि सिकुड़ते अवसरों से सामान्य वगरे में यह भय है कि इससे उनके अवसर सीमित होंगे यानी आरक्षण की अवधारणा जिस सामुदायिक भेदभाव को तोड़ने के लिए लागू की गई थी, वही खोता जा रहा है। याद करें कि आजादी के बाद जब यह व्यवस्था लागू हुई थी तो सामान्य वगरे से विरोध न के बराबर हुआ था। इसे दलित, ओबीसी समूहों की ओर से निजी क्षेत्र में आरक्षण की मांग को जोड़कर देखें तो यह साफदिखेगा की इसका एक सूत्र यकीनन देश के कृषि और आर्थिक संकट से जुड़ता है। अब मराठा जैसी ताकतवर जातियों के आरक्षण की मांग पर लौटें तो यह तस्वीर बहुत कुछ साफ नजर आने लगेगी। महाराष्ट्र में मराठा, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश में जाट, गुजरात में पाटीदार, आंध्र प्रदेश में कापू, ये सभी खेतिहर समुदाय रहे हैं, और अपने-अपने इलाकों में अच्छा दबदबा भी रखते रहे हैं। इन समुदायों का सियासी असर भी काफी रहा है, और इनके नेता आला पदों पर पहुंचते रहे हैं। इससे एक नतीजा निकालना तो आसान है कि सियासत में इन समुदायों के कुछ पिछड़ने से ये चिंगारियां फूट रही हैं। लेकिन यह बेहद सरलीकरण होगा और इससे सामाजिक सच्चाइयों का खुलासा नहीं होता। दूसरे, कुछ लोग यह दलील भी दे सकते हैं कि मोटे तौर पर ये आंदोलन आरक्षण की व्यवस्था पर ही सवाल उठा रहे हैं, और निचली जातियों के कुछ ऊपर पहुंचने से इनमें रोष दिख रहा है। लेकिन आंकड़े इसकी गवाही नहीं देते। अभी भी अफसरशाही और उच्च संस्थानों में एक मोटे अनुमान से अनुसूचित जाति-जनजाति या पिछड़ी जातियों के लोग बमुश्किल 3-4 प्रतिशत ही पहुंच पाए हैं। देश में खरबपतियों की फेहरिस्त दुनिया के अमीर देशों से होड़ लेने लगी है, लेकिन ऊपरी हलकों में इन जातियों की पहुंच नहीं हो पाई है। सरकारी ही नहीं, गैर-सरकारी संस्थानों में अभी भी बेहद थोड़े लोग ही निचली जातियों से पहुंच पाते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों में भी इनकी पहुंच गिनती की है। यह अवस्था कई दशकों के आरक्षण व्यवस्था के बाद है। इसलिए अटकलों को छोड़ दें तो इस दलील में दम नहीं दिखता। इसलिए मजबूत खेतिहर समाजों की ओर से आरक्षण की मांग की असलियत कुछ दूसरे तनाव और दबाव हो सकते हैं, जो अब बड़े पैमाने पर महसूस किए जाने लगे हैं। अब तो इसमें शक की गुंजाइश नहीं रह गई है कि ग्रामीण आमदनी में भारी कमी आई है। आज सरकार किसानों की नाराजगी दूर करने के लिए तरह-तरह की घोषणाएं कर रही है, लेकिन उसमें उसे कितनी सफलता हासिल हुई है, यह संदिग्ध है। केंद्र में एनडीए की नरेन्द्र मोदी सरकार 2014 में यह वादा करके ही आई थी कि वह किसानों की आय दोगुनी कर देगी। इसके बदले पिछले चार साल में किसानों की आमदनी और घट गई।

हाल में खरीफ की फसल पर लागत से डेढ़ गुना अधिक समर्थन मूल्य का ऐलान किया गया, लेकिन किसान संगठन उसे पर्याप्त नहीं मानते क्योंकि यह पुराने ए2एफएल फॉमूले पर तय किया गया है, न कि नये सी2 फॉर्मूले पर। इससे ज्यादा इजाफा नहीं हो पाया है यानी संकट बड़ा है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। किसानों की आत्महत्या भी इस संकट का भयावह इजहार करते हैं। यह भी अब किसी शोध का विषय नहीं रह गया है कि इस दौर में छोटे उद्योग-धंधों की हालत खास्ता हुई है। इससे अब इनकार करना मुश्किल है कि किसानी अब घाटे का सौदा हो गई है, या कहिए बना दी गई है। उसके मुकाबले औद्योगिक उत्पादों की कीमत कई गुना बढ़ा दी गई है। दाम में कोई संतुलन नहीं है। सरकार कृषि जिंसों के दाम पर नियंतण्र रखती है, लेकिन कारखानों के उत्पादों पर उसका कोई नियंतण्र नहीं होता। दाम में नियंतण्र कायम रखने के लिए समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने खेती की उपज और कारखाने के उत्पादों के दाम में एक संतुलन की मांग की थी, और दाम बांधो आंदोलन चलाया था। लेकिन उदारीकरण के बाद तो औद्योगिक उत्पादों के दाम बेपनाह बढ़ते गए। यही नहीं हुआ, बड़े उद्योगों को तरजीह देने से छोटे उद्योग मरते गए हैं। छोटी पूंजी का कोई अर्थ नहीं रह गया है। प्रधानमंत्री मोदी जरूर कहते हैं कि पकोड़े बनाने वाला भी कमा रहा है। सरकार यह दलील भी दे रही है कि छोटे उद्योगों को मुद्रा कर्ज योजना से काफी अवसर पैदा किए गए हैं। लेकिन मुद्रा कर्ज से औसत रकम 70,000 रुपए ही है। इतनी-सी रकम में भला आज कौन-सा काम शुरू किया जा सकता है। यह सब गिनाने का मतलब सिर्फयह है कि संकट लगातार बड़ा होता जा रहा है, और समाज में उसके असर विभिन्न रूपों में दिख रहे हैं। यह तंगहाली समाज आपसी रंजिशें भी पैदा कर रही है, और उन विचारों पर भी चोट कर रही है जो हमारे राष्ट्र और संविधान-निर्माताओं ने देश में बराबरी का माहौल पैदा करने के लिए सोचा था। इसी तरह बड़े उद्योगों को तरजीह देने से छोटे उद्योग मरते जा रहे हैं। छोटी पूंजी का कोई अर्थ नहीं रह गया है। अब एक बार फिर अनुसूचित जातियों के आरक्षण के मामले में लौटते हैं। कृषि क्षेत्र और छोटे उद्योग-धंधों के चौपट होने से बेशक, दलित और पिछड़े समुदाय सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। लेकिन इसका दंश सामान्य वर्ग के लोग भी झेलने को मजबूर हैं। इसलिए आपसी होड़ और स्पर्धा का माहौल तीखा होता जा रहा है। इसे समझे बिना और अवसरों को बढ़ाए बिना सामाजिक फांक बढ़ने की ही आशंका है। इसलिए हमें अपनी आर्थिक दिशा पर नये सिरे से विचार करना होगा, जो लोगों को अवसरों से वंचित कर रही है। दरअसल, गहराता आर्थिक संकट और विकास का मौजूदा मॉडल ही आरक्षण के मामले को तीखा कर रहा है। इसलिए विकास का मॉडल ऐसा बनाइए, जिससे देश में सकारात्मक माहौल पैदा हो सके। महज विकास की रट लगाने से बात नहीं बनेगी, यह तय करना होगा कि हम विकास के किस रास्ते पर चल कर देश और समाज को समतामूलक आयाम दे सकते हैं। तभी स्थितियां बदलेंगी।

चलते चलते

क्राउडफंडिंग पर नीति बनाकर स्टार्टअप को बढ़ावा द

किसी नए उपक्रम के लि ए बहुत सारे लोगों से छोटी-छोटी राशि इकट्ठा करके फंड जुटाने को क्राउडफंडिंग कहते हैं और भारत में लोगों का ध्यान इस पर जा रहा है। कई सोशल स्टार्टअप ने इसी रास्ते से अपना वजूद बनाया है। फेसबुक के सर्वाधि क यूज़र और चीन के बाद सबसे अधि क मोबाइल फोन के सबस्का इबर बेस के साथ भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मार्केट में से है, जिसका दोहन किया जाना है। इन तथ्यों का महत्व है, क्योंकि वर्ल्ड बैंक के मुताबि क क्राउडफंडिंग के बढ़ने के लिए यदि कोई एकमात्र तथ्य जिम्मे दार है तो वह है सोशल मीडिया में पैठ। क्राउडफंडिंग एक लोकतांत्रि कृत फंडिंग है। जहां तक संपूर्ण इंटरनेट इकोनॉमी का सवाल है, क्राउंडफं डिंग उसका छोटा-सा हिस्सा भर है लेकि

फेसबुक के सर्वाधि क यूज़र और चीन के बाद सबसे अधिक मोबाइल फोन के सबस्का इबर बेस के साथ भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मार्केट में से है, जिसका दोहन किया जाना है। इन तथ्यों का महत्व है, क्योंकि वर्ल्ड बैंक के मुताबि क क्राउडफंडिंग के बढ़ने के लि ए यदि कोई एकमात्र तथ्य जिम्मे दार है तो वह है सोशल मीडिया में पैठ। क्राउडफंडिंग एक लोकतांत्रिकृत फंडिंग है।

न, यह बहुत बड़ा प्लेटफ ॉर्म और ऐसे लोगों के लिए फं ड इकट्ठा करने का अच्छा मौका है, जो परम्परागत स्रोतों से इसे इकट्ठा नहीं कर पाते। कई बार तो उन्ह इतनी छोटी राशि की जरूरत होती है कि बैंक लोन नहीं दे सकते। ऐसे में क्राउडफ ंडिंग तेजी से और किफायती समाधान देती है। क्राउडफ ंडिंग को चार प्रकारों में बांटी जा सकती है : किसी बिज़नेस को शुरू करने के लिए सीड फंडिंग, जो आइडि या वजूद में है उसके विस्तार के लिए इक्विटींडिंग के लिए, सदस्यों के बीच लोन देने के लिए क्राउड लेंडिंग और डोनेशन। ज्या दा वक्त नहीं लगेगा जब हमें क्राउडफंडिंग प्लेटफ ॉर्म पर ठोस नीति और इन पर नि गाह रखने के लिए रेग्यु लेटर की जरूरत होगी। एक देश के रूप में हमें चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य विकासशील देशों के बीच अंतर पाटना होगा, क्योंकि ग्लोबल आंत्रप्रेन्यो रशिप मॉनिटर पर हम इनमें अंतिम चौथे स्थान पर हैं। उचित कानूनी व्यवस्था के साथ ऐसी पहल हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लि ए जरूरी है। हम चीन से सबक ले सकते हैं, जहां हाल के वर्षों में बिज़नेस के अनुकूल वातावरण और फंडिंग तक आसान पहुंच के कारण टेनसेंट, अलीबाबा, बाइदू और शियाओमी मार्केट कैपि टलाइजेशन के संदर्भ में बहुत बड़ी कंपनियां बन गई हैं।

फोटोग्राफी...

फ्रंटियर डेज रोडियो...अमेरिकी शहर चेयेन में चेयेन फ्रंटियर डेज रोडियो इवेंट के दौरान लिटल बकर्स मिनी बुल राइडर्स इवेंट में कंपीट करता क्लाइड कॉपर। इस इवेंट में कई कंपीटिशन होते हैं जिसमें बड़े राइडर्स के अलावा बच्चे भी आते हैं।

''न्यू डील'

महिला आरक्षण विधेयक के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के पत्र के जवाब में कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने लिखा था- ''भाजपा और कांगेस को साथ आना चाहिए और भारतीय महिलाओं के लिए एक ''न्यू डील' पर साथ आना चाहिए ताकि समता तथा पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो। इस ''न्यू डील' के हिस्से के तौर पर हमें संसद के दोनों सदनों में महिला आरक्षण विधेयक, तीन तलाक पर पाबंदी लगाने तथा इस कानून का उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक नतीजे डालने वाले कानून और निकाह-हलाला पर पाबंदी लगाने के कानून का अनुमोदन करना चाहिए। आप यह मानेंगे कि बाद वाली दोनों व्यवस्थाएं न सिर्फ मुस्लिम समुदाय की महिलाओं के साथ गैर-बराबरी के व्यवहार करती हैं, बल्कि उनकी गरिमा को भी गंभीर रूप से घटाती हैं। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते हम, महिलाओं तथा उनके अधिकारों के संबंध में दो अलग-अलग पैमाने नहीं अपना सकते हैं। समुचित प्रतिनिधित्व का अधिकार, निजी कानूनों में समानता देने और महिलाओं की गरिमा को कम करने वाले प्रावधानों को हटाने में, हमें पहले ही बहुत देर हो गई है।'इस रुख के जरिए भाजपा महिलाओं के अधिकारों के लिए श्रेय को हथियाने और अपने असली पुराणपंथी महिला-विरोधी चरित्र पर पर्दा डालने की ही कोशिश कर रही है। वास्तव में विधि मंत्री के बयान को भाजपा के राज में महिलाओं की बढ़ती असुरक्षा की पृष्ठभूमि में भी देखना होगा। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट, क्राइम इन इंडिया-2016 के मुताबिक 2015 से 2016 के बीच यानी एक साल में ही देश भर में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 3.75 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। साफ है कि सभी महिलाओं के मामले में आम असुरक्षा तथा वेध्यता में बढ़ोतरी हुई है, और यह किसी एक समुदाय का मामला नहीं है। पिछले कुछ समय में महिलाओं और खासकर छोटी-छोटी बच्चियों के साथ हिंसा के बदतरीन मामले सामने आए हैं। एसोसिएशन ऑफडेमोक्रेटिक राइट्स द्वारा अप्रैल, 2018 में जारी एक रिपोर्ट में यह सच सामने आया था कि भाजपा के ही सबसे ज्यादा सांसदों व विधायकों के खिलाफ महिला-विरोधी अपराध के प्रकरण अदालतों में विचाराधीन थे। पार्टी के 48 सांसदों तथा 120 विधायकों के खिलाफऐसे अपराध दर्ज थे। इनमें से अनेक बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों के थे। इसके अलावा, इंडिया स्पेंड की हाल की एक रिपोर्ट बताती है कि 2017 के पहले छह महीनों में ही गोरक्षा के नाम पर भीड़ हिंसा तथा भीड़ हत्या की घटनाओं में 75 फीसद की बढ़ोतरी हुई थी। ऐसे हमलों में से 90 फीसद से ज्यादा भाजपा-शासित उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान में हुए थे। ऐसी हिंसा की अगुआई आरएसएस से जुड़े संगठन कर रहे थे। ऐसे हमलों में सिर्फ 30 फीसद मामलों में ही रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

ज्यादातर मामलों में रिपोर्ट खुद पीड़ितों द्वारा ही दर्ज कराई गई। चूंकि इन हमलों के शिकार होने वालों में 84 फीसद मुसलमान थे। जाहिर है कि इनके चलते ज्यादातर मुस्लिम परिवार ही बेसहारा हुए हैं। ऐसे परिवारों के गुजारे का बोझ बड़े-बूढ़ों पर और घर की औरतों पर ही आ पड़ता है। इसलिए ध्यान दिलाना जरूरी है कि महिलाओं की असुरक्षा का सवाल सिर्फ सीधे महिलाओं के खिलाफ हिंसा तक सीमित नहीं है। जनतांत्रिक आंदोलन को इस कथित ''न्यू डील' को और आरएसएस के नेतृत्व वाली सरकार के महिला-विरोधी रुख को बेनकाब करना चाहिए।

संक्षिप्त

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को कराएं बंद

संतकबीर नगर, मेहदावल क्षेत्र के निवासी सामाजिक कार्यकर्ता रत्नेश त्रिपाठी ने विकास खंड में अनेक अमान्य विद्यालयों के संचालित होने की बात कहते हुए एसडीएम से बंद करवाने की मांग की है। उनका आरोप है कि मानक और मान्यता के बिना ही विद्यालयों के संचालित होने से शिक्षा अधिकार अधिनियम का मखौल उड़ रहा है। भेजे गए पत्र में उन्होंने लिखा है कि मेहदावल ब्लाक क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक मान्यताविहीन विद्यालयों का संचालन हो रहा है। इस बारे में खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार राय ने बताया कि सतत जांच कर अमान्य विद्यालयों को बंद कराने का कार्य किया जा रहा है। एसडीएम जसधीर सिंह ने अपने स्तर से अमान्य विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही।

जानलेवा बने सड़क के गड्ढे

सिद्धार्थनगर, विकास खंड अंतर्गत बढ़नीचाफा स्थित साहू कोठी के दक्षिण सड़क के किनारे खतरनाक गड्ढा कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना की वजह बन सकता है। इसके बाद भी जिम्मेदार इसकी कोई सुधि नहीं ले रहे हैं। क्षेत्र अंतर्गत जमालडीह, नंदडीह, मदारा आदि गांवों को जोड़ने वाली सड़क आवागमन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है। यहां साहू कोठी के पास सड़क से सटकर बड़ा गड्ढा हो गया है। बारिश होने से इसकी स्थिति और भी खतरनाक हो गई है। जरा सी चूक होने पर राहगीर हादसे का शिकार हो सकते हैं।

रसोई गैस सिलेंडर के अवैध रिफलिंग का खुलासा

सोनभद्र, पिपरी स्थित राजकीय इंटर कालेज के पास खड़े एक ट्रक पर रखकर रसोई गैस सिलेंडर को अवैध तरीके से रिफिल करने के दौरान ही आपूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर दिया। इससे रिफिल करने वाले तो फरार हो गए लेकिन वहां से कुल 47 सिलेंडर भी बरामद किए गए। इस मामले में विभाग ने पिपरी थाने में सभी चार आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। आपूर्ति विभाग के मुताबिक मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि पिपरी में गैस सिलेंडर ढोने वाले एक ट्रक पर ही कुछ लोग अवैध तरीके से सिलेंडरों को रिफिल कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए जिला पूर्ति अधिकारी डा. राकेश तिवारी ने एक टीम को मौके पर भेजा तो शिकायत पुष्ट हो गई।

लाल निशान के करीब सरयू

अयोध्या, शनिवार को सरयू लाल निशान के बेहद करीब जा पहुंचीं। मंगलवार रात से ही सरयू के जलस्तर में जारी वृद्धि शुक्रवार को अपराह्न तक थमने के बाद पुनः शुरू हो गई और शनिवार को शाम सरयू का जलस्तर 92.665 मीटर रिकार्ड किया गया, जो लाल निशान से मात्र आठ सेंटीमीटर के फासले पर है। एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की गति से जलस्तर में हो रही वृद्धि के हिसाब से समझा जाता है कि मध्य रात्रि तक जलस्तर लाल निशान पार कर जाएगा। सरयू के तेवर से तटवर्ती इलाकों में दहशत है।

रेलवे स्टेशन पर बढ़ी सुरक्षा

आजमगढ़, सावन माह व कांवरियों के आवागमन के मद्देनजर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। उच्चाधिकारियों के आदेश पर रेलवे पुलिस जहां सक्रिय हो गई है। शनिवार को जीआरपी व आरपीएफ ने संयुक्त रूप से प्लेटफार्म व स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाकर जांच पड़ताल की। सावन माह को देखते हुए पुलिस महानिदेशक ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने का निर्देश दिया है। इस क्रम में रेल विभाग द्वारा भी विशेष सावधानी बरती जा रही है। इसके लिए जीआरपी व आरपीएफ को अलर्ट किया गया है। संदिग्ध यात्रियों पर नजर रखने के साथ-साथ सामान की तलाशी ली जा रही है। जीआरपी थाना प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी व आरपीएफ थाना प्रभारी राशिद बेग मिर्जा ने अपनी टीम के साथ गोदान एक्सप्रेस अप, अप ताप्ती गंगा एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों में सघन जांच पड़ताल की।

अगले महीने तक शुरू हो सकता है ओवरब्रिज

कौशांबी, मनौरी रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज के सभी पिलर बन गए हैं। अब रेलवे ने ट्रैक के ऊपर गार्डर बिछाने की तैयारी शुरू कर दी गई। लेकिन सर्विस रोड और फुटपाथ पर अवैध कब्जे से रेलवे विभाग को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे का कहना है कि यदि स्थानीय लोग अतिक्रमण हटाने में सहयोग करे तो अगस्त के अंतिम सप्ताह तक यह पुल बनाकर तैयार कर दिया जाएगा।

भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष का हुआ स्वागत

मिर्जापुर, भारतीय जनता युवा मोर्चा की नवनिर्वाचित प्रदेश उपाध्यक्ष आयुषी श्रीमाली का जिले में शनिवार को हुए आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत यात्रा के साथ आयुषी लालडिग्गी चौराहा पहुंचीं। जहां पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका स्मरण किया। मां विंध्यवासिनी का भी दर्शन किया। जिले में प्रवेश पर उनका नारायणपुर में इंजीनियर राजबहादुर के नेतृत्व में स्वागत किया गया। कैलहट, जमुई, चुनार, पड़री, आमघाट व भरूहना में स्वागत किया गया। भरूहना चौराहे पर राज्य सभा सांसद रामसकल ने आयुषी श्रीमाली को आशीर्वाद दिया। स्वागत यात्रा का स्वागत इमामबाड़ा चौराहे पर भाजपा के नगर उपाध्यक्ष संजय यादव ने किया।

शहीदों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

नवानगर (बलिया), कारगिल विजय दिवस पर क्षेत्र के आरएसएस गुरुकुल एकेडमी, कठघरा (बंशीबाजार) के प्रांगण में आयोजित सभा में देश के शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबन्धक जयप्रताप सिंह ने शहीद सैनिकों के चित्र पर पुष्पांजलि दी। कहा कि कठिन परिस्थितियों के बीच सैनिक ही देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। देश के लिए समर्पित रहने की बच्चों को प्रेरित किया। सीताराम यादव, केके सिंह, विजय गुप्त, सुनील गुप्त, सोनू यादव, सूरज कुमार, हरेराम आदि मौजूद थे।

स्वामी चिदानंद मुनि ने कुंभ परिचर्चा को किया संबोधित

इलाहाबाद, कुंभ कोई मेला नहीं है, यह तो सनातन संस्कृति का संवाहक है। जो दुनिया को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। यही कारण है कि यह पावन परंपरा सदियों से चली आ रही है। पं. मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में चल रहे कुंभ कान्क्लेव (परिचर्चा) परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनि जी ने बतौर मुख्य अतिथि यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करने में हमें कोई चूक नहीं करनी है। कुंभ को सफल बनाने में योगदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह कुंभ सरकार का ही नहीं है। बल्कि हम सभी का है और ये सामूहिक जिम्मेदारी है कि इसे कुशलता से संपन्न कराया जाए। 'गंगा, पर्यावरण और आस्था' विषय पर प्रकाश डालते हुए बोले, गंगा की स्वच्छता के लिए तेजी से काम चल रहा है। ३० नवंबर तक गंगा में जाने वाले इलाहाबाद के सभी 34 नाले टेप कर दिए जाएंगे। सरकार जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं। यही हमें भी करना है। उन्होंने कहा कि ये सौभाग्य है कि हमें मोदी व योगी के नेतृत्व वाली सरकार मिली है, जो गंगा की भक्त है। चिदानंद महाराज ने शहरवासियों का आह्वान किया कि वे कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा अतिथि देवो भवः की तर्ज पर करें। अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि कुंभ मेले की तैयारी इस बार व्यापक रूप से की जा रही है। इसमें हम सभी को अपना कुंभ समझकर ही सहयोग करने की जरूरत है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजाराम यादव ने कुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इतिहास से रू-ब-रू कराया। कहा कि गंगा में बहुत शक्ति है, सिर्फ श्रद्धा भाव की आवश्यकता है। इंडिया थिंक के डायरेक्टर सौरभ पांडेय ने सभी के प्रति आभार जताया। परमार्थ निकेतन ऋषिकेश तथा गंगा एक्शन परिवार ने हरित कुंभ पर चर्चा की। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने मौजूद लोगों को हरित कुंभ-हमारा कुंभ के लिए संकल्प भी दिलाया। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला एक संदेश के साथ हो। पर्यावरण का संदेश हो, मेला मैला न हो। लोगों के मन में मेल और प्रेम बढ़ाने के लिए हो। इलाहाबाद के लोगों को यहीं रहकर तीर्थयात्रियों की व्यवस्था मिलजुल कर करनी होगी। शहर की व्यवस्था सरकार के भरोसे पर ही नहीं अपितु स्वयं के उत्साह से करनी चाहिए। सरकार और प्रशासन के साथ सहयोग करके इलाहाबाद वासियों को देश विदेश से आने वाले तीर्थ यात्रियों को हरित कुंभ, स्वच्छ कुंभ देकर अपनी परंपराओं के साथ अतिथि देवो भव का संदेश देना चाहिए।

चिकित्सकों की हड़ताल से कराहते रहे मरीज

जौनपुर, आईएमए के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर कल जनपद के चिकित्सकों की हड़ताल के चलते उपचार के अभाव में मरीज दिनभर कराहते रहे। सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था नाकाफी साबित हुई। शाम छह बजे सेवा बहाली के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। हड़ताली चिकित्सकों ने आईएमए सभागार में उपस्थित होकर सरकार के रवैए पर विरोध जताया। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। कार्यकारी अध्यक्ष डा. विनोद कुमार सिंह ने बिल का विरोध करते हुए चेतावनी दी कि यदि बिल पारित हुआ तो देशभर में चिकित्सक आईएमए के बैनर तले आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे। सचिव डाक्टर जाफरी ने बताया कि आईएमए के विरोध के बावजूद एनएमसी बिल में जो बदलाव किए गए हैं वह अभी भी गरीब विरोधी, संघीय विरोधी तथा अमीरों को रास आने वाले हैं। जिसके कारण आने वाले समय में चिकित्सा की गुणवत्ता खराब एवं चिकित्सा शिक्षा महंगी होगी। उन्होंने कहा कि इस बिल के पास होने के बाद प्राइवेट मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षा अत्यंत महंगी हो जाएगी तथा इसके कारण गरीब चिकित्सा सुविधा से वंचित रह जाएंगे। पिछड़े तथा गरीब वर्ग के मेडिकल छात्रों का प्रदर्शन पिछली नीट परीक्षा में अच्छा नहीं था। इस बिल के पारित होने के बाद एग्जिट एग्जाम की व्यवस्था लागू होने के कारण पिछड़े और गरीब वर्ग के छात्रों को और असुविधा होगी। वह अपने राज्यों में चिकित्सा काउंसिल में पंजीकृत होने से रह जाएंगे और एमबीबीएस करने के बाद भी चिकित्सा सेवा नहीं दे पाएंगे और देश में चिकित्सकों की और कमी व्याप्त हो जाएगी। आज आईएमए भवन में जुटे सभी चिकित्सकों ने एक ओर से इस बिल का विरोध किया तथा इसको जनतांत्रिक, संघ विरोधी, गरीब विरोधी और अमीरों को रास आने वाला है। इस अवसर पर डा.अजित कपूर, डा. तेज सिंह, डा. बीपी सिंह, मेजर एके मौर्या, डा. बीके यादव, डा.एमएम वर्मा, डा. संजय सिंह, डा.विनय तिवारी, डा. इम्तियाज, डा. रहमान, डा. विकास सिंह, डा. मनमोहन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

६०० वर्षों से आस्था का केंद्र गौरीशंकर मंदिर

कोपागंज (मऊ), स्थानीय कस्बे में वाराणसी-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित शिवमंदिर अपनी दर-ओ-दीवारा में ६०० से अधिक वर्षों का इतिहास समेटे आज भी लोगों की धार्मिक आस्था व विश्वास का प्रतीक बना हुआ है। लोगों का मानना है कि यहां जो भी दिल से मन्नतें मांगता है बम भोले शिवशंकर उनकी मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं। यूं तो मंदिर पर वर्ष भर हर सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रहती है, किंतु श्रावण और मल मास के महीने में हजारों की संख्या में शिवभक्त कांवरियों द्वारा गाजीपुर, वाराणसी से पैदल जल लाकर शिवलिंग पर चढ़ाने से समूचा मंदिर प्रांगण देवघर के बाबाधाम के रूप में तब्दील नजर आने लगता है।

घंट-घड़ियाल संग बोलबम के जयकारे की गूंज

आजमगढ़, स्थानीय श्रीराम जानकी मंदिर परिसर के नवनिर्मित शिवमंदिर में शनिवार को शिवलिंग की स्थापना की गई। कर्मकांडी पंडित रामबदन पांडेय, पंडित हरिप्रसाद मिश्र, पंडित गोपाल कृष्ण दुबे आदि ने विधि-विधान से शिवलिंग की स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा कराई। इस दौरान घंट-घड़ियाल के साथ बोल बम व जयश्री राम के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। मुख्य यजमान विजय पांडेय रहे। इसके पूर्व भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग का शुक्रवार को नगर भ्रमण के साथ मंदिर परिसर में लाया गया। तत्पश्चात अखंड हरिकीर्तन का पाठ हुआ। शनिवार को हरिकीर्तन की पूर्णाहुति के बाद शिवलिंग की स्थापना व श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात शिवभक्तों में महाप्रसाद का वितरण किया गया। शाम को भजन-कीर्तन हुआ। श्रीराम जानकी मंदिर व शिव मंदिर के महंत श्रीप्रकाश दास व पुजारी ओमप्रकाश दास ने क्षेत्रीय सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विजयेंद्र उर्फ टीपू पांडेय, डा. दिनकर राय, डा. रामजन्म सिंह, सर्वजीत पांडेय, रमाकांत पांडेय, प्रिंस पांडेय, नीरत यादव, यशवंत मौर्य, उदयभान यादव, शंभू सिंह, जय भगवान यादव, संतोष दुबे, शैलेंद्र मौर्य, जयप्रकाश पांडेय, रवि सिंह, दीना मौर्या, अशोक पांडेय आदि उपस्थित थे।

अनुपस्थित १८ कर्मियों को नोटिस

गोंडा, गांवों में चल रहे विशेष सफाई अभियान में अनुपस्थित पाए गए 18 सफाई कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है। डीपीआरओ ने कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिवस में स्पष्टीकरण तलब किया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर निलंबन की चेतावनी दी गई है। डीपीआरओ घनश्याम सागर ने बताया कि सफाई अभियान का जायजा लेने के लिए गांवों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान झंझरी के राजस्व ग्राम सोनीकूपर में तैनात राकेश कुमार मिश्र, देवरियाचूड़ामणि में तैनात आशीष कुमार श्रीवास्तव, गिर्द गोंडा के संजीव कुमार बाल्मीकि, पूरे शिवाबख्तावर के भगौती प्रसाद, जानकीनगर के अशोक कुमार जायसवाल, खोरहंसा के सोहनलाल, मल्थुआ शाहजोत के राम बहादुर, गोपियापुर की छोटका, नैवारी के संतोष कुमार साहू, मुगलजोत के गुलाम मोहम्मद, विशुनागा के रक्षाराम अनुपस्थित मिले। रुपईडीह ब्लॉक के ग्राम कोंचवा में तैनात मो. महबूब, सिसईमाफी सर्वेश कुमार पांडेय, मंगलनगर मानिकचंद्र सरोज, नौव्वागांव के दिनेश कुमार चतुर्वेदी, मनोहरजोत के सीताराम, अड़बड़वा के सुरेंद्र कुमार, पूरे पाठक के श्रीराम आर्य नदारद मिले। संबंधित कर्मचारियों के एक दिन का वेतन रोकने के साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिवस में स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

बिजली संकट से जूझ रहा अस्पताल

चंदौली, सौ बेड का महिला अस्पताल दस दिन से ग्रामीण क्षेत्र के बिजली से चल रहा है। लापरवाही का आलम यह है कि अस्पताल प्रशासन जली केबल को ही नहीं बदलवा रहा, जनरेटर रहने के बाद भी जनरेटर नहीं चलाया जा रहा। इससे मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। रात्रि के समय तो अस्पताल में सन्नाटा पसर जा रहा है। सरकार ने पीपीपी माडल पर 100 बेड के महिला अस्पताल को संचालित करने की जिम्मेदारी एक निजी अस्पताल संचालक को सौंपी। अस्पताल तो जैसे तैसे चल रहा है लेकिन छोटी मोटी गड़बड़ियां भी दूर कराने में यहां के अधिकारी पीछे भाग रहे हैं। जिला अस्पताल के स्वतंत्र फीडर से इस अस्पताल को भी 24 घंटे बिजली दी गई है लेकिन दस दिन पूर्व यहां बिजली केबल जल गई। केबल को बदलने के लिए अस्पताल प्रशासन ने अपने अधिकारियों को लिखापढ़ी जरूर की लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया।

युवक को गोली मारी, पेट्रोल पंप पर फेंका बम

इलाहाबाद, धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुलेमसराय इलाके में शनिवार की शाम स्कूटी सवार युवकों ने अपने साथी को ही गोली मार दी। पेट्रोल पंप पर तेल भराने के दौरान युवकों में आपस में कहासुनी हो गई। इसके बाद पीछे बैठे युवक ने बीच वाले को तमंचे से गोली मार दी। जख्मी कर्ण सिंह भागा तो हमलावर ने पीछा किया। इसके बाद पंप पर बमबाजी कर दी। पंप पर बम फटने से खलबली मच गई। इसके बाद स्कूटी से दोनों निकल भागे। पुलिस का कहना है कि तीनों अपराधी हैं, लूट के इरादे से निकले थे। कहासुनी होने पर कर्ण सिंह को गोली मार दी गई। तीन युवक स्कूटी से सुलेमसराय पेट्रोल पंप पर पहुंचे। गाड़ी में तेल भराया। इसी बीच आपस में कहासुनी के बाद एक युवक ने अपने साथी को गोली मार दी। फिर पंप पर बमबाजी कर निकल भागा। पंपकर्मी और स्थानीय लोगों ने दौड़कर गोली लगने से जख्मी युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती करा दिया। एसपी सिटी बृजेश श्रीवास्तव के मुताबिक, गोली केंद्रीय कालोनी प्रीतम नगर के रहने वाले कर्ण सिंह को लगी है। तीनों साथी लूट के इरादे से निकले थे। कर्ण के अलावा प्रीतम नगर, धूमनगंज का अरविंद्र और लवकेश थे। एसपी सिटी के मुताबिक, कर्ण का बयान दर्ज कर लवकेश और अरविंद्र की तलाश में दबिश दी जा रही है। तीनों अपराधी हैं।

डीएम, एसपी ने जेल में मारा छापा, मिला चाकू

प्रतापगढ़, बढ़ती आपराधिक घटनाओं को देखते हुए डीएम, एसपी ने शनिवार को जेल में छापा मारा। सभी बैरकों की तलाशी के दौरान एक चाकू मिला। लगभग दो घंटे तक चली छापेमारी के दौरान बंदियों और जेल कर्मियों में अफरा-तफरी मची रही। कोहड़ौर के दोहरे हत्याकांड के बाद अचानक डीएम शंभु कुमार, एसपी देवरंजन वर्मा जिला कारागार पहुंच गए। उनके साथ सीडीओ राजकमल यादव, सीआरओ शिवपूजन भी थे। डीएम, एसपी ने सभी बैरकों की तलाशी कराया। इस दौरान एक चाकू बरामद किया गया। कुछ बैरकों में दुर्गंध आने पर डीएम ने जेलर को नियमित रूप से सफाई कराने और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नियमित रूप से फागिंग कराने का निर्देश दिया। डीएम ने देखा कि कारागार के नियंत्रण कक्ष में सीसीटीवी कैमरे के डिस्प्ले के लिए लगे दो मानीटर में से एक पर डिस्प्ले नहीं हो रहा था। डीएम ने शाम तक उसे ठीक कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण में डीएम ने पाया कि बैरकों में सामान रखने की व्यवस्था नहीं है, इस पर जेलर को सामान रखने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। डीएम ने निरीक्षण दौरान बंदियों से पूछा कि मेडिकल कैंप लगाया जाता है तो बंदियों ने हां में जवाब दिया। डीएम ने जेलर को निर्देश दिया कि प्रतिदिन सभी बैरकों में बंदियों की सघन तलाशी कराई जाए। जेल में सीढ़ी, रस्सी व सरिया बंदियों की पहुंच से दूर रखी जाए। एसपी देवरंजन वर्मा ने जेलर को निर्देश दिया कि जेल के अंदर किसी तरह के हथियार, पान मसाला न जाने दिया जाए।

जर्जर हो चुके हैं गोविंद साहब के प्रमुख भवन

अंबेडकरनगर, पूर्वांचल की ऐतिहासिक पौराणिक तपोस्थली महात्मा गोविंद साहब स्थित पुराने संत आश्रम, रसोई भवन व यात्री निवास समेत अन्य कई भवन रखरखाव व मरम्मत के अभाव के चलते काफी जर्जर हालत में पहुंच गए हैं। परिसर में स्थित पुराने भवनों की छतें टूट कर जगह-जगह लटक गई है, जो बारिश के दौरान निरंतर पानी टपकता रहता है। महात्मा गोविंद साहब में प्रतिवर्ष अगहन माह में पड़ने वाले गोविंद दशमी के पावन पर्व पर लगभग एक माह तक चलने वाला ऐतिहासिक मेला लगता है, जहां पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से लाखों श्रद्धालु आते हैं और महात्मा की समाधि पर मत्था टेक पूजन-अर्चन करते हैं। गत चार दशक से यहां मठ महंथी को लेकर छिड़ा विवाद लगभग ४० वर्षों तक न्यायालय के अधीन होने के कारण व्यवस्था जिला प्रशासन के हवाले रही है। गत वर्ष न्यायालय ने यहां पूर्व में महंत रहे मृतक बाबा कोमल दास के शिष्य बाबा भगेलू दास को मठ की कमान सौंपते हुए उन्हें समिति का अध्यक्ष घोषित करते हुए सारी व्यवस्था मठ समिति को हस्तगत कर दी गई। गोविंद साहब मठ परिसर में स्थित लगभग आधा दर्जन से अधिक भवन रखरखाव एवं मरम्मत के अभाव में काफी जर्जर होने के बावजूद उनका पुनर्निर्माण अब तक नहीं हो सका।

पुलिस की निष्क्रियता पर फूटा आक्रोश, प्रदर्शन

सुल्तानपुर, अपहरण कर मौत के घाट उतारे गए व्यवसायी का शव देर शाम शहर में लाया गया तो कोहराम मच गया। सैकड़ों की संख्या में व्यवसायी शाहगंज चौराहे पर एकत्रित हो गए। पुलिस-प्रशासन पर मामले में लापरवाही व निष्क्रियता बरतने का आरोप लगाते हुए परिवारीजन ने शव को चौराहे पर रख अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। जिससे पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। एसडीएम सदर जेपी सिंह, सीओ सिटी श्यामदेव व स्थानीय विधायक सूर्यभान सिंह मौके पर पहुंच गए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वे डीएम-एसपी को प्रदर्शन स्थल पर बुलाने को लेकर अड़ गए। शहर के आजाद नगर मोहल्ला निवासी व्यवसायी वीरेंद्र जायसवाल (36) पुत्र शिवशंकर जायसवाल का गत 26 जुलाई की रात बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। हत्या करने के बाद उनका शव पड़ोसी जिले प्रतापगढ़ में फेंक दिया गया था। मृतक के बड़े भाई राजेंद्र जायसवाल का आरोप है कि कोतवाली नगर पुलिस ने मामले को बेहद हल्के ढंग से लिया। जिसकी वजह से उनके भाई की हत्या कर दी गई। यदि समय रहते पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की होती तो वीरेंद्र की जान बच सकती थी और अपहरणकर्ता पुलिस की गिरफ्त में होते। उधर, मृतक की मां मंजू जायसवाल, पत्नी श्वेता, मासूम बेटा संस्कार व बेटी समृद्धि सदमे में हैं। उनकी हालत देख प्रदर्शन स्थल पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। गुरुवार की रात वीरेंद्र किसी से फोन पर बात करते हुए घर से निकला था। शहर के पंजाबी कालोनी इलाके में इलाहाबाद-फैजाबाद हाइवे पर लग्जरी कार सवार बदमाशों ने उसे जबरन वाहन में बैठाया था। घटनास्थल की एक दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात कैद है। सूत्रों के मुताबिक रुपये के लेनदेन के विवाद में वीरेंद्र की हत्या की गई है। करीब आठ माह पूर्व अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान चौक इलाके में स्थित पान व किराने की गुमटी प्रशासन ने हटवा दी थी। जिसके बाद से उसकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब चल रही थी।

कांवरियों का जत्था बाबा धाम रवाना

जौनपुर, श्रावण माह के पहले दिन शनिवार को जगह-जगह से कांवरियों का जत्था बाबा बैजनाथ धाम समेत विभिन्न शिवालयों में जल चढ़ाने के लिए रवाना हुआ। इस दौरान भक्ति से ओतप्रोत श्रद्धालुओं ने जमकर जयकारा किया। रवानगी से पूर्व ढोल-नगाड़े डीजे की धुन पर जमकर थिरकने के साथ उद्घोष हुआ। पूरा वातारण शिवमय हो गया। शनिवार से सावन प्रारंभ होते ही भोले बाबा के भक्त कांवरिये शीतला चौकियां धाम दर्शन करने पहुंचे। पचहटिया गांव से कांवरियों का जत्था चौकियां धाम पहुंच शक्तिपीठ मां शीतला के दरबार में शीश नवाजा। धाम में दर्शन के बाद ढोल नगाड़े व डीजे की धुन पर थिरकते कांवरिये बाबा धाम के लिए रवाना हुए। कांवरिए बोल बम का जयघोष करते हाथ में झंडा व कंधे पर जल से भरा कांवर लिए बाबा धाम देवघर की यात्रा पर आगे बढ़ते रहे। सावन के प्रथम दिन चौकियां धाम में दिनभर आस-पास अन्य क्षेत्रों से कांवरियों का आगमन होता रहा। केराकत में कावरियों का एक जत्था शनिवार को ग्राम सरेमू से रवाना हुआ। जत्थे में शामिल शिवभक्तों का समूह पैदल काशी बाबा विश्वनाथ पहुंचेगा। यहां दर्शन-पूजन के बाद सीधे किसी वाहन से बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना होंगे। सरेमू गांव से सैकड़ों की संख्या में कांवरियां पूरे रास्ते पर नाचते गाते व बोलबम का उद्घोष करते देखे गए। इन कांवरियों के उमंग व जोश को देख हर कोई देखने के लिए मजबूर हो गया। जत्थे में इंद्र बहादुर यादव, हवलदार, उमा शंकर, चंद्रभूषण यादव, मुन्ना आदि शामिल रहे।

जलजमाव से छात्राओं का स्कूल पहुंचना दूभर

भदोही, पिछले कई दिनों हुई जोरदार बारिश के चलते जहां कालीन नगरी के विभिन्न मोहल्ले व गलियां जलमग्न हैं वहीं विद्यालयों की हालत दयनीय रूप ले चुकी है। कई विद्यालयों के अंदर तक बारिश का पानी प्रवेश कर गया है जबकि कई विद्यालयों के बाहर जल-जमाव की स्थिति है। इसके चलते छात्र-छात्राओं का स्कूल पहुंचना दूभर है। उधर स्टेशन पर सर्वाधिक जलजमाव होने के कारण गर्ल्स कालेज की छात्राओं के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। ज्ञानदेवी बालिका इंटर कालेज व भदोही गर्ल्स कालेज की छात्राओं को घुटने भर पानी से होकर कालेज आवागमन करना पड़ रहा है। बारिश कालीन नगरी के लिए अभिशाप है। कारण स्पष्ट है। जलनिकासी के संसाधन न होने के कारण मामूली बारिश के बाद भी सड़कों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जलजमाव होने के कारण कालीन संबंधी कामकाज के साथ साथ पठन-पाठन भी प्रभावित होता है। पिछले दिनों हुई जोरदार बारिश के बाद सड़कों, गलियों व मोहल्लों में जलजमाव बना हुआ है। इसके चलते छात्रों को सर्वाधिक दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसे लेकर अभिभावकों में रोष है। काजीपुर निवासी अशफाक अंसारी, नुरखानपुर निवासी अफरोज, मेनरोड निवासी राजेश गुप्ता का कहना है कि जलजमाव के कारण लड़कियों को स्कूल नहीं भेजा जा रहा है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से बालिका की मौत

बस्ती, कप्तानगंज थाने के दुबौला चौकी क्षेत्र के बंदरखाला गांव निवासी एक बालिका की बिजली के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने जांच के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। गांव निवासी मोहन की बारह वर्षीय बेटी सरोज शनिवार की दोपहर बाद घर के छत पर खेल रही थी। खेलते समय बगल से गुजरे तार उसके हाथ से टकरा गया। बिजली की चपेट में आने से सरोज की मौत हो गई। सूचना पर चौकी प्रभारी आनंद कुमार मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल किया। सहमति से शव परिजनों को सौंप दिया गया। सरोज तीन भाई बहनों में सबसे बड़ी संतान थी। ग्रामीणों ने कहा कि इस तार को हटाने के लिए विभागीय जिम्मेदारों से कई बार कहा गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। कई परिवारों की जिंदगी पर हमेशा खतरा बना रहता है। यदि विभाग ने सुधि ली होती तो सरोज की जान बच जाती। बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में गुस्सा है।

राजस्व विभाग से जुड़ेगी खाद्य विपणन विभाग की वेबसाइट

गाजीपुर, सरकारी धान खरीद से बिचौलियों की छुट्टी करने की तैयारी है। शासन ने जिला खाद्य विपणन विभाग की वेबसाइट को राजस्व विभाग से जोड़ दिया है। इससे किस किसान के पास कितनी खेती योग्य जमीन है और उसमें कितना धान रोपा गया था, यह पूरा विवरण आसानी से मिल जाएगा। संबंधित किसान उतना ही धान बेच सकता है। इससे धान की खरीद की प्रक्रिया भी सरल तो होगी ही इसके अलावा किसान दलालों के चंगुल से मुक्त होंगे। सरकारी क्रय केंद्रों का समर्थन मूल्य बाजार मूल्य से अधिक होता है। इससे बिचौलिए बाजार से कम मूल्य पर धान खरीद कर किसानों की खतौनी येनकेन-प्रकरेण एकत्र करने के बाद सरकारी क्रय केंद्रों पर बेच देते थे। इसमें क्रय केंद्र के अधिकारियों व कर्मचारियों की भी मिलीभगत होती है। इसका परिणाम यह होता है कि किसान अपना धान नहीं बेच पाते हैं और बिचौलियों से ही खरीद का लक्ष्य पूरा हो जाता है। ऐसे में धान खरीद से बिचौलियों की भूमिका समाप्त करने के लिए विभाग ने यह सिस्टम बनाया है। अगर किसी खतौनी पर उसकी क्षमता से अधिक धान बेचने की किसी ने कोशिश की तो वह तुरंत पकड़ में आ जाएगा।

मांगों के निस्तारण को लेकर शिक्षकों ने भरी हुंकार

फैजाबाद, मांगों को लेकर शिक्षकों ने शिक्षा भवन में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। धरने का संयोजन माध्यमिक शिक्षक संघ ने किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश पांडेय ने की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि जल्द शिक्षक समस्याओं का निराकरण नहीं हो जाता तो व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। कहा, जिला स्तर की समस्याओं को जानबूझ कर लटकाया जाता है। जिला मंत्री आलोक तिवारी ने व्यावसायिक शिक्षकों का मानदेय नियमित करने, तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण की मांग की। इस दौरान नारेबाजी होती रही। धरने पर जेडी ओमप्रकाश द्विवेदी व जिला विद्यालय निरीक्षक आरबीएस चौहान पहुंचे और समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिलाया। धरने को संबोधित करने वालों ने अभिलाख पांडेय, पवन यादव, राकेश दुबे रहे। इस मौके पर अतुल वीरेंद्र, धर्मेंद्र देव, संजय, जनक लाल, आकाश, विजय, प्रदीप सिंह, अरुण दुबे, केके तिवारी मौजूद रहे।

डीएम ने बीडीओ व एडीओ पंचायत को लगाई फटकार

देवरिया, जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने कल कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा, जन कल्याणकारी योजनाओं व स्वच्छता मिशन के कार्यों की समीक्षा की। स्वच्छता मिशन की समीक्षा के दौरान सभी खंड विकास अधिकारियों को इस माह की ओडीएफ लक्ष्य पूर्ति 31 जुलाई तक प्रत्येक दशा में करने का निर्देश दिया। साथ ही फोटो अपलोड कार्य भी करने का निर्देश दिया। इस कार्य में शिथिलता पर बीडीओ व एडीओ पंचायत को फटकार लगाई। उन्होंने बीएसए व सभी खंड शिक्षाधिकारियों को पठन-पाठन व्यवस्था बेहतर बनाने, मध्याह्न भोजन नियमित बनवाने, पाठ्य-पुस्तकों का वितरण समय से सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बीइओ को कस्तूरबा विद्यालयों का निरीक्षण कर भोजन आदि सभी इंतजामों का प्रभावी अनुश्रवण करने को कहा। उन्होंने कहा कि बीइओ रसोइयों का भुगतान सुनिश्चित कराएं और इस आशय का प्रमाण पत्र भी दें।

जिस विद्यालय में मध्याह्न भोजन नियमित न बनने की पुष्टि हो वहां के ग्राम प्रधान व प्रधानाध्यापक को नोटिस देते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई करें। स्कूलों की चहारदीवारी निर्माण कार्य में तेजी लाएं। जहां कार्य शुरू नहीं है वहां कार्य शुरू कराते हुए चहारदीवारी का निर्माण कार्य पूरा कराएं। उन्होंने स्कूलों में संचालित कायाकल्प योजना की कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने वृद्धावस्था पेंशन के लंबित आवेदनों का निस्तारण शीघ्रता से करने का निर्देश दिया। इस मौके पर डीडीओ श्रीकृष्ण पांडेय, डीसी मनरेगा गजेंद्र तिवारी, डीएसओ वीके सिंह, बीएसए संतोष देव पांडेय, डीआईओएस शिवचंद राम, जिला समाज कल्याण अधिकारी दीनानाथ शुक्ल, डीपीआरओ ओम प्रकाश पांडेय आदि मौजूद रहे।

AMC ने कचरे डालने का CCTV दिया

दुकानदार ने खुलासा किया की खुद ही फेंका था कचरा

मॉनसून की शुरूआत होने पर शहर में बढ़ रही गंदगी और महामारी के विरूद्ध एएमसी अब लड़ने के मूड में

अहमदाबाद । मॉनसून की शुरूआत होने पर शहर में बढ़ रही गंदगी और महामारी के विरूद्ध एएमसी लड़ने के मूड में है । मेमनगर में दुकानदार ने एएमसी ने कचरे डालने का सीसीटीवी दिया, आखिर में खुलासा हुआ खुद ही फेंका था । कचरा और गंदगी को लेकर कई इकाई को सील किया गया है । गत दिन तो हेल्थ विभाग द्वारा कई पानीपूरी की लारी पर छापेमारी कर सील किया गया था । ऐसी एक घटना मेमनगर गुरूकुल रोड पर सामने आयी है । व्यापारी ने अपनी ही दुकान के आगे रात को कचरा फेंका, उन्होंने सीसीटीवी जारी करके कॉर्पोरेशन के कर्मचारी कचरे डालकर चले गये यह बात बतायी है । गुरूकुल रोड पर खूबसूरत नाम की दुकान वाले व्यापारी की दुकान सार्वजनिक मार्ग पर कचरा फेंकने पर कॉर्पोरेशन ने सील किया है । यह कचरा कॉर्पोरेशन की गाडी में से इसके स्टाफ ने ही फेंका है यह सीसीटीवी फूटेज कॉर्पोरेशन के उच्च अधिकारी के समक्ष पेश करके विवाद पैदा कर दिया है । आखिर में कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने गत शुक्रवार को सुबह के ६ से लेकर रात के दुकान बंद हो गये वहां तक के सीसीटीवी फूटेज भी चेक किया था । जिसमें खुद दुकान के स्टाफ के कर्मचारियों ने ही सार्वजनिक मार्ग पर कचरा फेंकने का स्पष्ट हो गया तब व्यापारी ने इंचार्ज मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भाविन सोलंकी को बताया कि यह कचरा उनकी दुकान का ही नहीं बल्कि दूसरे कई दुकानदार भी डालकर चले जाते है रात को उनके ही कर्मचारी ने कचरा डाल दिया था और व्यापारी एएमसी के श्रमिकों की गलत निकालती है । दुकानदार की पोल खुल गई । इस तरीके से कॉर्पोरेशन पर दबाव बनानेवालों के विरूद्ध हम कड़ी कार्रवाई करेंगे । सार्वजनिक मार्गों पर गंदगी फैला रहे २५९ इकाई कॉर्पोरेशन द्वारा सील किया गया है । इसके अलावा ४.१० लाख रुपये जुर्माना वसूल किया गया है । सील किए गए इकाई में सबसे ज्यादा उत्तर जोन में ७१ इकाई सील किया गया है ।

हार्दिक की अनशन आंदोलन मुद्दे पर

निकोल में पास के कन्वीनर साथ बैठक

अहमदाबाद । पाटीदार समाज को आरक्षण और किसानों को कर्ज माफी के मुद्दे के साथ पास नेता हार्दिक पटेल ने २५ अगस्त को अनशन आंदोलन मुद्दे पर अहमदाबाद के निकोल में पास कन्वीनरों के साथ बैठक का आयोजन किया गया । बैठक बाद हार्दिक ने बताया है कि, पुलिस मंजूरी नहीं देगी तो कोर्ट में जायेंगे । जबकि राज्य सरकार ४ दिन में कुंवरजी बावलीया को मंत्री बना सकते है तो हमारी लड़ाई २.५ वर्ष से है यह सरकार को इस मामले पर विचार करना चाहिए । हार्दिक ने पत्रकार परिषद में बताया है कि २५ अगस्त के उपवास के बारे में बैठक थी अनशन दिन पर हररोज के ७ से ८ तहसील से लोग आयेंगे । अभी २८ दिन बाकी है यह समय में मैं कई लोगों को मिलने वाला हूं ।

पुलिस के विरूद्ध शहर में रिक्शाचालकों की हड़ताल

रिक्शाचालकों की हड़ताल की वजह से सामान्य नागरिक को विशेष करके महिलाए, बुजुर्ग लोगो को परेशानी होंगी

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में ट्राफिक की गंभीर बन रही समस्या में ऑटो रिक्शाचालकों के गैरजिम्मेदार और अंधाधुंध पार्किंग के रवैये को लेकर वृद्धि होने की वजह से ट्राफिक विभाग ने शहर मे ऑटो रिक्शाचालकों के विरूद्ध भी अभियान शुरू किया गया । जिसकी वजह से नाराज रिक्शाचालकों द्वारा पुलिस की गलत तरीके से परेशान कर रही होने के आरोपों के साथ भारी नाराजगी व्यक्त की गई और सोमवार को अहमदाबाद शहर में रिक्शाचालकों की हड़ताल का ऐलान दिया गया है । रिक्शाचालकों की हड़ताल की वजह से सामान्य नागरिकों को विशेष करके महिलाएं, बुजुर्ग लोगों को परेशानी का सामना करना पड़े ऐसी संभावना है । उल्लेखनीय है कि, फिलहाल में ही गुजरात हाईकोर्ट द्वारा शहर में लगातार बढ़ रही ट्राफिक की समस्या को आसान करने के लिए पुलिस प्रशासन तथा म्युनिसिपल प्रशासन को सख्त आदेश दिया गया था जिसकी वजह से एएमसी प्रशासन और शहर ट्राफिक विभाग द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया है, लेकिन यह अभियान के तहत ऑटो रिक्शाचालकों के साथ पुलिस गलत तरीके से परेशान कर रहे होने का आरोप लगाकर इसके विरोध में सोमवार को बंद रखने का ऑटो रिक्शाचालकों द्वारा निर्णय लिया गया है । शहर में ४५ लाख वाहन होने से इसके सामने दो लाख से ज्यादा तो ऑटोरिक्शा है । रिक्शाचालकों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि, कानून सिर्फ रिक्शाचालकों के लिए हो इस तरीके से पुलिस प्रशासन द्वारा आईपीसी की धारा-१८६, १८८ और २८८ का दुरुपयोग किया जाता है । शहर में सिर्फ २१०० रिक्शा के लिए स्टेन्ड है । यात्रियों के लिए पीकअप स्टेन्ड भी नहीं है इसलिए सरकार अपनी विफलता छिपाने के लिए रिक्शाचालकों पर अत्याचार करती है, जिसके विरोध में सोमवार को रिक्शाचालक एक दिन अपना धंधा बंद रखेंगे यह बताते हुए रिक्शाचालक अग्रणी अशोक पंजाबी, राजवीर उपाध्याय आदि ने और एक मांग की है कि, प्रशासन द्वारा तुरंत असर से २५ फीसदी रिक्शा के लिए स्टेन्ड दिया जाए तथा पुलिस अत्याचार बंद किया जाए ।

कॉर्पोरेशन पार्किंग स्पेस में ढाई गुना वृद्धि करेगी

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शहर के अलग-अलग क्षेत्र में २६ नये पेइड पार्किंग शुरू करने की योजना बनायी है । नये प्लोट में टू-व्हीलर के लिए ११७९७ और फॉर-व्हील के लिए २०२० मिलाकर अतिरिक्त की १३,८१७ पार्किंग स्पेस बनायी जाएगी । अभी की बात करे तो तीन मल्टिलेवल और ११ पार्किंग प्लोट में ३७९८ टू-व्हीलर और १६७१ कार पार्किंग के लिए जगह है । शहर में फिलहाल करीब ४६ लाख से ज्यादा वाहन है लेकिन पार्किंग की क्षमता सिर्फ २० हजार है । मणिनगर हीराभाई टावर के पास ११८३ टू-व्हीलर पार्किंग की केपेसिटीवाली पार्किंग बनेगी । अहमदाबाद शहर में वाहनों की संख्या बढ़ रही है । इसके खिलाफ पार्किंग की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण कई वाहन रास्ते पर अंधाधुंध पार्क हो रहे है । अहमदाबाद आरटीओ में रजिस्ट्रेशन हुए आंकड़े के अनुसार, अहमदाबाद शहर में ४६ लाख से ज्यादा वाहन है ।

लोकसभा चुनाव के संदर्भ में वर्कशॉप आयोजित

२०१९ का चुनाव देश की सुरक्षा के लिए युद्ध : वाघाणी

लोकसभा चुनाव के संदर्भ में कमलम में भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई थी जिसमें प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी, भूपेन्द्र यादव, मुख्यमंत्री रुपाणी और अन्य कई लोग उपस्थित हुए ।

अहमदाबाद । रविवार को प्रदेश कार्यालय श्री कमलम् में प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी की अध्यक्षता में तथा राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री वी. सतीष, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी तथा उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल की उपस्थिति में आगामी लोकसभा चुनाव के संदर्भ में प्रदेश स्तर का एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित किया गया । प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी ने बताया है कि, आगामी २०१९ के लोकसभा चुनाव की तैयारी के तहत आज की यह कार्यशाला आयोजित किया गया है । युद्ध पहले के शांति के समय में जो पार्टी व्यवस्थित आयोजन और तैयारी करे यह वह पार्टी युद्ध आसानी से जीत सकता है । यह वर्कशॉप में उपस्थित नवनियुक्त प्रभारी टीम ने प्रत्येक लोकसभा में बूथ तक के कार्यकर्ता के साथ योग्य संकलन करके एक उत्तम व्यवस्था द्वारा चुनाव जीतने की दिशा में कार्य करना है । वाघाणी ने आगे बताया है कि, २०१९ का लोकसभा चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है । २०१९ के चुनाव ने देश के गौरव तथा देश के गौरव तथा देश की संप्रभुता की सुरक्षा के लिए युद्ध है । संगठन, संकलन, समन्वय और योग्य व्यवस्था का उपयोग करके गुजरात भाजपा का कार्यकर्ता अपेक्षित परिणाम लाने के लिए प्रतिबद्ध रहते है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह जैसे गुजरात के सपूत जब देश का नेतृत्व करते हो तब एक गुजराती के तौर पर तथा भाजपा के कार्यकर्ता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है । पिछले कई दिनों से कांग्रेस द्वारा लगातार भ्रम फैलाकर लोगों को भयभीत करने का माहौल बनाने का कार्य किया जा रहा है । अब ऐसे समय में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा हुए जनकल्याण के निश्चित कार्यों को लोगों तक पहुंचाकर फिर से गुजरात की सभी लोकसभा सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए प्रतिबद्ध बने । राष्ट्रीय महामंत्री और गुजरात के प्रभारी भूपेन्द्र यादव ने अपने भाषण में बताया है कि, सभी विपक्षी एक है ऐसा भ्रम कांग्रेस और विपक्षी द्वारा पिछले कई दिनों से फैलाया जा रहा था । लेकिन संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के समय एनडीए का संख्याबल ३१५ होने के बावजूद भी और शिवसेना की अनुपस्थिति होने के बावजूद भी ३२५ मत से केन्द्र सरकार ने विश्वास का मत हांसिल किया था ।

मॉनसून का मौसम चल रहा है तब वृक्षारोपण का महत्व बढ़ गया है । रिवरफ्रन्ट में गुजरात के मंत्री कौशिक पटेल ने भी वृक्षारोपण किया ।

बैठक में तोगडिया का केन्द्र सरकार पर प्रहार

हिन्दूत्व की बातें करती और मुस्लिमों को फायदे पहुंचाते

अहमदाबाद । विश्व हिन्दू परिषद छोड़ने के बाद प्रवीण तोगडिया केन्द्र सरकार के विरूद्ध जैसे लड़ने के मूड में है । रविवार को सौराष्ट्र की प्रथम अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की बैठक में राजकोट में उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि, सरकार ने चुनाव प्रचार में राम मंदिर का वादा किया तो लेकिन यह तीन तलाक का कानून लाया । सरकार सिर्फ हिन्दूत्व की बातें करती है और मुस्लिमों को फायदे पहुंचाते हैं । सरकार के चुनाव प्रचार में हिन्दूत्व के साथ राम मंदिर का सपना दिखाया गया था अब मुस्लिमों की ओर मुड़कर तीन तलाक का कानून लेने में पड़े है । राजकोट में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की सौराष्ट्र की प्रथम बैठक में प्रवीण तोगडिया ने केन्द्र सरकार पर कड़े प्रहार किए थे । प्रवीण तोगडिया ने बताया है कि, वादे हिन्दूत्व को दिया जिसमें राम मंदिर बनाने का वादा करके कानून तीन तलाक का लाया, हद तो तब हुई कि, कश्मीर हिन्दू ब्राह्मणों की चिंता करने के बजाय रमजान महीने में आतंकवादियों को गोली नहीं लगे इसकी चिंता करने लग गये । राम मंदिर बनाने के बजाय अब राम का म्युजियम बनाने के प्रयास किए जा रहे है । प्रवीण तोगडिया ने किसानों के लिए देशव्यापी किसान आंदोलन करने की घोषणा की थी । उन्होंने बताया है कि, देश के अन्नदाता किसान दुखी और अपमानित है । जिसकी वजह से आगामी १५ अगस्त से महाराष्ट्र में देश के १६२ संगठन किसान के लिए देशव्यापी अभियान शुरू करने जा रहे है । आगामी नवम्बर महीने की शुरूआत में गुजरात में भी किसानों का आंदोलन शुरू किया जाएगा ।

पुलिस अत्याचार विरोध में स्थानीय लोगों की रैली

पुलिस के कर्मचारियों को फूल देकर गांधीगीरी सिखाया

अहमदाबाद । शहर के छारानगर में दो दिन पहले देर रात को पुलिस और छारा समाज के लोगों के बीच हुए भिड़न्त के बाद पुलिस ने छारानगर क्षेत्र में महिलाएं, बच्चों और बुजुर्ग लोगों को घर में घुसकर मारपीट करने के प्रकरण में रविवार को छारानगर के स्थानीय निवासियों द्वारा एक विशाल विरोध रैली का आयोजन किया गया । छारानगर से कुबेरनगर पुलिस चौकी तक निकाली गई यह विशाल रैली में महिलाएं, बच्चों, युवाओं सहित के लोग काफी बड़ी संख्या में शामिल हुए । सबसे उल्लेखनीय बात यह थी कि, रैली में शामिल हुए महिलाओं, युवाओं और बुजुर्ग लोगों ने कुबेरनगर पुलिस चौकी जाकर छारानगर में निर्दोष महिलाओं और बुजुर्ग लोगों पर अत्याचार करनेवाले पुलिस के ही कर्मचारियों-अधिकारियों को गुलाब का फूल देकर गांधीगीरी पाठ सिखाने का अनूठा प्रयास हुआ था । यह दृश्य देखकर स्थानीय निवासी भी आश्चर्य में पड़ गये । रैली एक प्रकार से शांतिपूर्ण और सफल रही । रैली में शामिल हुए छारानगर के स्थानीय निवासियों की एक ही मांग है कि, पुलिस अत्याचार करने के मामले में किसी जिम्मेदार पुलिस कर्मचारी या अधिकारी हो उनके विरूद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए । रैली में छारानगर के छोटे बच्चों ने भी हाथ में हृदयस्पर्शी संदेश पेश करते हुए प्लेकार्ड बताकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया था उल्लेखनीय है कि, गत दिन छारानगर के प्रकरण में पुलिस द्वारा पकड़े गये २५ लोगों को देर रात को जबकि मेजिस्ट्रेट के घर पर बंदोबस्त के साथ पेश किया गया सभी आरोपियों ने मेजिस्ट्रेट के समक्ष पुलिस द्वारा उन पर अत्याचार करने की गंभीर शिकायत की थी । जोइन्ट कमिशनर अशोक यादव, सरदारनगर पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर आरएन. वीराणी और घायल पीएसआई डीके. मोरी और एक महिला पीएसआई सहित पुलिस कर्मचारियों के विरूद्ध में उनके साथ मारपीट करने की शिकायत की गई थी । मेजिस्ट्रेट ने सभी आरोपियों को ज्युडिशीयल कस्टडी में साबरमती सेन्ट्रल जेल में भेज दिया गया है ।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com